

प्रश्न पुस्तिका

कोड / Code : 10

SANSKRIT : PAPER-II

पुस्तिका क्रम

पुस्तिका में पृष्ठों की संख्या : 32

10086573

पुस्तिका में प्रश्नों की संख्या : 150

समय / Time : 2 1/2 घंटे / Hours

पूर्णांक / Maximum Marks : 300

INSTRUCTIONS	निर्देश
<p>1. Answer all questions.</p> <p>2. All questions carry equal marks.</p> <p>3. Only one answer is to be given for each question.</p> <p>4. If more than one answers are marked, it would be treated as wrong answer.</p> <p>5. Each question has four alternative responses marked serially as 1, 2, 3, 4. You have to darken only one circle or bubble indicating the correct answer on the Answer Sheet using BLUE BALL POINT PEN.</p> <p>6. 1/3 part of the mark(s) of each question will be deducted for each wrong answer. (A wrong answer means an incorrect answer or more than one answers for any question. Leaving all the relevant circles or bubbles of any question blank will not be considered as wrong answer.)</p> <p>7. The candidate should ensure that Series Code of the Question Paper Booklet and Answer Sheet must be same after opening the envelopes. In case they are different, a candidate must obtain another question paper of the same series. Candidate himself shall be responsible for ensuring this.</p> <p>8. Mobile Phone or any other electronic gadget in the examination hall is strictly prohibited. A candidate found with any of such objectionable material with him/her will be strictly dealt as per rules.</p> <p>9. Please correctly fill your Roll Number in O.M.R. Sheet. 5 marks will be deducted for filling wrong or incomplete Roll Number.</p> <p>Warning : If a candidate is found copying or if any unauthorised material is found in his/her possession, F.I.R. would be lodged against him/her in the Police Station and he/she would liable to be prosecuted under Section 3 of the R.P.E. (Prevention of Unfairmeans) Act, 1992. Commission may also debar him/her permanently from all future examinations of the Commission.</p>	<p>1. सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।</p> <p>2. सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।</p> <p>3. प्रत्येक प्रश्न का केवल एक ही उत्तर दीजिए।</p> <p>4. एक से अधिक उत्तर देने की दशा में प्रश्न के उत्तर को गलत माना जाएगा ।</p> <p>5. प्रत्येक प्रश्न के चार वैकल्पिक उत्तर दिये गये हैं, जिन्हें क्रमशः 1, 2, 3, 4 अंकित किया गया है। अभ्यर्थी को सही उत्तर निर्दिष्ट करते हुए उनमें से केवल एक गोले अथवा बबल को उत्तर-पत्रक पर नीले बॉल प्वाइंट पेन से गहरा करना है ।</p> <p>6. प्रत्येक गलत उत्तर के लिए प्रश्न अंक का 1/3 भाग काटा जायेगा। गलत उत्तर से तात्पर्य अशुद्ध उत्तर अथवा किसी भी प्रश्न के एक से अधिक उत्तर से है । किसी भी प्रश्न से संबंधित गोले या बबल को खाली छोड़ना गलत उत्तर नहीं माना जायेगा।</p> <p>7. प्रश्न-पत्र पुस्तिका एवं उत्तर पत्रक के लिफाफे की सील खोलने पर परीक्षार्थी यह सुनिश्चित कर लें कि उसके प्रश्न-पत्र पुस्तिका पर वही सीरीज अंकित है जो उत्तर पत्रक पर अंकित है। इसमें कोई भिन्नता हो तो वीक्षक से प्रश्न-पत्र की ही सीरीज वाला दूसरा प्रश्न-पत्र का लिफाफा प्राप्त कर लें। ऐसा न करने पर जिम्मेदारी अभ्यर्थी की होगी।</p> <p>8. मोबाईल फोन अथवा इलेक्ट्रॉनिक यंत्र का परीक्षा हॉल में प्रयोग पूर्णतया वर्जित है। यदि किसी अभ्यर्थी के पास ऐसी कोई वर्जित सामग्री मिलती है तो उसके विरुद्ध आयोग द्वारा नियमानुसार कार्यवाही की जायेगी।</p> <p>9. कृपया अपना रोल नम्बर ओ.एम.आर. पत्रक पर सावधानी पूर्वक सही भरें । गलत अथवा अपूर्ण रोल नम्बर भरने पर 5 अंक कुल प्राप्तांको में से अनिवार्य रूप से काटे जाएंगे।</p> <p>चेतावनी : अगर कोई अभ्यर्थी नकल करते पकड़ा जाता है या उसके पास से कोई अनधिकृत सामग्री पाई जाती है, उस अभ्यर्थी के विरुद्ध पुलिस में प्राथमिकी दर्ज कराई जायेगी और आर. पी. ई. (अनुचित साधनों की रोकथाम) अधिनियम, 1992 के नियम 3 के तहत कार्यवाही की जायेगी। साथ ही आयोग ऐसे अभ्यर्थी को भविष्य में होने वाली आयोग की समस्त परीक्षाओं से विवर्जित कर सकता है।</p>

10_A]

1

[Contd...

1 इत्संज्ञाविधायकं सूत्रमस्ति -

- (1) अदर्शनं लोपः। (2) आदिरन्त्येन सहेता।
(3) हलन्त्यम्। (4) तस्य लोपः।

2 संयोग संज्ञा भविष्यति -

- (1) द्वयोः स्वरयोः मध्ये। (2) द्वयोः व्यञ्जनयोः मध्ये।
(3) द्वयोः वाक्ययोः मध्ये। (4) द्वयोः पदयोः मध्ये।

3 अधोलिखितानां कस्मिन् पदे संहिता संज्ञा प्रयुक्ता ?

- (1) उपेन्द्रः। (2) रामस्य।
(3) कमलम्। (4) अचलः।

4 संस्कृतवर्णमालायाः उच्चारणस्थानानि वर्तन्ते -

- (1) नव। (2) एकादश।
(3) सप्त। (4) पञ्च।

5 'त' वर्गस्य उच्चारणस्थानमस्ति -

- (1) ओष्ठौ। (2) तालुः।
(3) दन्ताः। (4) कण्ठः।

10_A]

2

[Contd...

6 सुप्तिङन्तं भवति -

- | | |
|-------------------|--------------------|
| (1) वर्णसंज्ञम्। | (2) पदसंज्ञम्। |
| (3) संयोगसंज्ञम्। | (4) संहितासंज्ञम्। |

7 विसर्गस्य उच्चारणस्थानमस्ति -

- | | |
|----------------|-------------|
| (1) तालुः। | (2) कण्ठः। |
| (3) कण्ठौष्ठौ। | (4) दन्ताः। |

8 सवर्णसंज्ञा भवति -

- | | |
|-------------------------|--------------------------|
| (1) मुखनासिकावचनयोः। | (2) द्वयोः स्वरितयोः। |
| (3) द्वयोः अनुदात्तयोः। | (4) तुल्यास्यप्रयत्नयोः। |

9 निम्नलिखितेषु वर्णेषु ईषत्स्पृष्टाः वर्णाः चेतव्याः।

- | | |
|-----------------|-----------------|
| (1) क, ख, ग, घ। | (2) य, र, ल, व। |
| (3) अ, इ, उ, ऋ। | (4) श, ष, स, ह। |

10 अधोलिखितेषु यण्-सन्धेः रूपं विधत्ते -

- | | |
|-------------------|----------------|
| (1) प्रत्युपकारः। | (2) गङ्गौघः। |
| (3) मार्तण्डः। | (4) विद्यालयः। |

10_A]

3

[Contd...

11 भावकः पदस्य सन्धिविच्छेदः भविष्यति -

- (1) भो + अकः। (2) भौ + अकः।
(3) भावि + अकः। (4) भू + अकः।

12 श्चुत्व प्रकरणे 'कतिचिज्जनाः' पदस्य सन्धिविच्छेदः स्यात् -

- (1) कतिचिद् + जनाः। (2) कतिचित् + जनाः।
(3) कतिचिज् + जनाः। (4) कतिचिच् + जनाः।

13 'ष्टुना ष्टुः' सूत्रानुसारेण 'अधिष्ठाता' पदस्य सन्धिविच्छेदः अस्ति -

- (1) अधिः + ठाता। (2) अधिष् + थाता।
(3) अधिस् + ठाता। (4) अधिः + थाता।

14 'शम्भुः + राजते' इत्यत्र सन्धिपदमस्ति -

- (1) शम्भुर् राजते। (2) शम्भुस् राजते।
(3) शम्भो राजते। (4) शम्भू राजते।

15 कस्मिन् पदे दीर्घसन्धिः अस्ति?

- (1) नास्ति। (2) चैव।
(3) पावकः। (4) रमेशः।

16 'झलां जशोऽन्ते' सूत्रस्य उदाहरणमस्ति -

- | | |
|--------------|-----------------|
| (1) तल्लयः। | (2) रामष्टीकते। |
| (3) प्रश्नः। | (4) वागीशः। |

17 अधोलिखितेषु हल्सन्धे शुद्धरूपं नास्ति -

- | | |
|--------------|----------------|
| (1) तल्लीनः। | (2) सुगण्णीशः। |
| (3) वागीशः। | (4) प्रनश्यति। |

18 अधोलिखितेषु पररूपसन्धेः रूपमस्ति -

- | | |
|---------------|------------|
| (1) एतावागतौ। | (2) नवोढा। |
| (3) दध्यत्र। | (4) मनीषा। |

19 समासस्य व्याकरणसम्भता परिभाषा अस्ति -

- | | |
|--------------------|---------------------------|
| (1) समसनं समासः। | (2) संक्षिप्तीकरणं समासः। |
| (3) पदमेलनं समासः। | (4) पदविलोपनं समासः। |

20 'शैलोन्नतः' उदाहरणमस्ति -

- | | |
|-----------------------|-----------------------|
| (1) तत्पुरुषसमासस्य। | (2) कर्मधारयसमासस्य। |
| (3) अव्ययीभावसमासस्य। | (4) बहुव्रीहिसमासस्य। |

21 'पञ्चानां पात्राणां समाहारः' इत्यस्य समस्तपदमस्ति -

- (1) पञ्चपात्रः। (2) पञ्चपात्री।
(3) पञ्चपात्राणि। (4) पञ्चपात्रम्।

22 'पाषाणहृदयः' पदस्य समासविग्रहः स्यात् -

- (1) पाषाण एव हृदयः। (2) पाषाणवत् हृदयं यस्य सः।
(3) पाषाण एव हृदयं यस्य सः। (4) पाषाणवत् हृदयः।

23 'छत्रोपाहनम्' पदे समास अस्ति -

- (1) बहुव्रीहिः। (2) कर्मधारयः।
(3) तत्पुरुषः। (4) द्वन्द्वः।

24 'उपकृष्णम्' इत्यत्र समासोऽस्ति -

- (1) केवलसमासः। (2) तत्पुरुषः।
(3) अव्ययीभावः। (4) बहुव्रीहिः।

25 'द्विजार्था' इत्यस्य समासविग्रहः स्यात् -

- (1) द्विजार्थमिदम्। (2) द्विजाय अयम्।
(3) द्विजाय अर्थः। (4) द्विजाय इयम्।

26 . 'अक्षशौण्डः' इत्यस्य लौकिकविग्रहः अस्ति -

- | | |
|----------------------|-----------------------|
| (1) अक्षाणां शौण्डः। | (2) अक्षेषु शौण्डः। |
| (3) अक्षैः शौण्डः। | (4) अक्षेभ्यः शौण्डः। |

27 'अनुरूपम्' षदस्य विग्रहः स्यात् -

- | | |
|-----------------------|--------------------|
| (1) रूपेभ्यः योग्यम्। | (2) रूपे योग्यम्। |
| (3) रूपस्य योग्यम्। | (4) रूपाय योग्यम्। |

28 'शत्' प्रत्ययान्ते शब्दे प्रत्ययस्य अवशिष्यते -

- | | |
|----------|-----------|
| (1) अन्। | (2) अत्। |
| (3) आन्। | (4) मान्। |

29 'लभ्यम्' इति षदे प्रकृतिप्रत्ययौ स्तः -

- | | |
|------------------|------------------|
| (1) लभ् + यत्। | (2) लभ् + ण्यत्। |
| (3) लभ् + क्यप्। | (4) लभ् + ल्यप्। |

30 ✓ दृश् धातोः 'तुमुन्' प्रत्यययोगेन शब्दः निष्पद्यते -

- | | |
|----------------|-----------------|
| (1) दृष्टुम्। | (2) दर्शयितुम्। |
| (3) दर्शितुम्। | (4) द्रष्टुम्। |

31 'घञ्' प्रत्ययान्तस्य 'रागः' शब्दस्य व्याकरणसम्मतः अर्थः अस्ति -

- (1) रञ्जनद्रव्यम्। (2) रञ्जनीयं वस्त्रम्।
(3) रञ्जितम्। (4) आसक्तिः।

32 'स्तुत्यः' इति शब्दे प्रत्ययः अस्ति -

- (1) यत्। (2) ण्यत्।
(3) क्यप्। (4) तव्यत्।

33 'तल्' प्रत्ययान्तं पदमस्ति -

- (1) गन्ता। (2) बन्धुता।
(3) पठिता। (4) हसिता।

34 'छिद् + क्त' प्रत्यये सति पदं स्यात् -

- (1) छिन्नः। (2) छिद्नः।
(3) छिद्क्तः। (4) छित्तः।

35 'कृतवान्' इति पदे कृ धातोः प्रत्ययः स्यात् -

- (1) वतुप्। (2) क्तवतु।
(3) क्त। (4) शानच्।

36 अधोलिखितेषु कस्मिन् पदे 'क्त' प्रत्ययस्य प्रयोगः न कृतः --

- (1) भुग्नः। (2) शुष्कः।
(3) पक्वः। (4) अभूत्।

37 'पितृ' शब्दस्य द्वितीया - बहुवचनं चिनुत -

- (1) पितरान्। (2) पितरीन्।
(3) पितृन्। (4) पितराः।

38 'पत्नी' पदमस्ति -

- (1) प्रथमा द्विवचनस्य। (2) पञ्चमी एकवचनस्य।
(3) द्वितीया द्विवचनस्य। (4) सप्तमी एकवचनस्य।

39 'भूभृत्' शब्दस्य द्वितीया बहुवचनमस्ति -

- (1) भूभृताः। (2) भूभृतान्।
(3) भूभृतः। (4) भूभृते।

40 शब्दरूपेषु 'आत्मनः' पदमस्ति -

- (1) प्रथमा एकवचनस्य। (2) पञ्चमी एकवचनस्य।
(3) प्रथमा बहुवचनस्य। (4) षष्ठी द्विवचनस्य।

41 'धेनु' शब्दस्य तृतीया एकवचनमस्ति -

- | | |
|-------------|--------------|
| (1) धेनुना। | (2) धेन्वा। |
| (3) धेन्वै। | (4) धेनुभिः। |

42 वारि शब्दस्य पञ्चमी - एकवचने रूपमस्ति -

- | | |
|---------------|---------------|
| (1) वारिणात्। | (2) वार्यात्। |
| (3) वारिणः। | (4) वारिणोः। |

43 पुल्लिङ्गे 'इदम्' शब्दस्य तृतीया बहुवचनमस्ति -

- | | |
|--------------|--------------|
| (1) आभिः। | (2) एभिः। |
| (3) अनयाभिः। | (4) अनेनभिः। |

44 'जगति' शब्दरूपं स्यात् -

- | | |
|-----------------------|----------------------|
| (1) पञ्चमी एकवचनस्य। | (2) सप्तमी एकवचनस्य। |
| (3) चतुर्थी एकवचनस्य। | (4) षष्ठी बहुवचनस्य। |

45 अधोलिखितेषु 'हरि' शब्दस्य पञ्चमी विभक्तेः रूपं नास्ति -

- | | |
|--------------|----------------|
| (1) हरेः। | (2) हरिभ्याम्। |
| (3) हरिभ्यः। | (4) हरये। |

46 'इष्' धातोः लोट्लकारस्य अन्यपुरुषे एकवचनमस्ति -

- (1) इष्यन्तु। (2) ऐष्यन्तु।
(3) इच्छन्तु। (4) ऐच्छन्तु।

47 'त्यज्' धातोः लृट्लकारे मध्यमपुरुषस्य द्विवचनमस्ति -

- (1) त्यजिष्यथः। (2) त्यक्ष्यथः।
(3) त्यजिष्येथे। (4) त्यक्ष्येथे।

48 'दा' धातोः विधिलिङ्लकारे मध्यमपुरुषस्य बहुवचनमस्ति -

- (1) दद्यात्। (2) ददेत्।
(3) ददेध्वम्। (4) दद्यात्।

49 'नृत्' धातोः लृट्लकारे उत्तमपुरुषस्य एकवचनमस्ति -

- (1) नृत्स्यामि। (2) नृत्स्ये।
(3) नृत्स्यामः। (4) नर्त्तिष्यामि।

50 'कृ' धातोः लोट्लकारे उत्तमपुरुष एकवचनमस्ति -

- (1) करवाणि। (2) कृवानि।
(3) कृवाणि। (4) करवानि।

- 51 'प्रच्छ्' धातोः लृट्लकारस्य उत्तमपुरुषे बहुवचनमस्ति -
- (1) प्रच्छिष्यामः। (2) प्रच्छयिष्यामः।
 (3) प्रक्ष्यामः। (4) प्रक्षिष्यामः।
- 52 'हन्' धातोः लट्लकारे प्रथमपुरुषबहुवचनस्य रूपमस्ति -
- (1) हनन्ति। (2) हन्ते।
 (3) घ्नन्ति। (4) हन्ति।
- 53 'चुर्' धातोः लोट्लकारस्य उत्तमपुरुषस्य बहुवचने रूपं स्यात् -
- (1) चोरयामहे। (2) चोरयिष्यामहे।
 (3) चोरयामहे। (4) चोरयामः।
- 54 'वृत्' धातोः लृट्लकारस्य उत्तमपुरुषस्य बहुवचने रूपं स्यात् -
- (1) वत्स्यन्ति। (2) वर्तामहे।
 (3) वर्तावहे। (4) वत्स्यामः।
- 55 'इदानीं रमेशः प्रातः उच्चैः पठति।' इत्यस्मिन् वाक्ये कति अव्ययानि सन्ति?
- (1) 5 (2) 4
 (3) 2 (4) 3

56 "सः शनैः चरति" इत्यत्र अव्ययस्य अर्थ अस्ति -

- (1) मन्दगत्या। (2) लघुगत्या।
(3) दीर्घगत्या। (4) मन्द्रगत्या।

57 "विद्वांसं किल आश्रयेयुः विद्यार्थिनः" इत्यत्र 'किल' अव्ययस्य अर्थ अस्ति -

- (1) विद्याप्रकर्षः। (2) वार्ता।
(3) अनुनयः। (4) सामान्यरूपेण निश्चयार्थः।

58 'धिक्' इति अव्ययस्य अर्थ अस्ति -

- (1) भर्त्सनम्। (2) शङ्का।
(3) निषेधः। (4) अल्पः।

59 'नमः' इति अव्ययस्य योगे विभक्तिः प्रयुज्यते -

- (1) द्वितीया। (2) चतुर्थी।
(3) सप्तमी। (4) प्रथमा।

60 "भस्मीभूतस्य देहस्य पुनरागमनं कुतः?" अस्मिन् वाक्ये 'पुनः' अव्ययस्य अर्थ अस्ति-

- (1) निषेधः। (2) जिज्ञासा।
(3) वाक्यालङ्कारः। (4) पुनरावृत्तिः।

- 61 "प्रवृत्तिसाराः खलु मादृशां गिरः" इत्यत्र 'खलु' अव्ययस्य अर्थ अस्ति -
- (1) अनुनयः। (2) जिज्ञासा।
(3) विनिग्रहः। (4) निश्चयः।
- 62 'चिरम्' अव्ययस्य अर्थ अस्ति -
- (1) दीर्घकालम्। (2) अल्पकालम्।
(3) निश्चितकालपर्यन्तम्। (4) शीघ्रम्।
- 63 "ननु एवं कथमुच्यते" इत्यत्र 'ननु' अव्ययस्य अर्थ अस्ति -
- (1) अनुनयः। (2) शङ्का।
(3) वार्ता। (4) नियमः।
- 64 उपसर्गप्रयोगेण धात्वर्थस्य भवति -
- (1) परिवर्तनम्। (2) टिप्पणीकरणम्।
(3) अधःकरणम्। (4) परीवर्तन।
- 65 'प्र' उपसर्गपूर्वकस्य 'ह' धातोः घञ् प्रत्ययस्य योगे अर्थ अस्ति -
- (1) भोजनम्। (2) भ्रमणम्।
(3) नाशः। (4) आघातः।

- 66 'अनु' उपसर्गपूर्वकस्य ✓ कृ धातोः निष्पन्नस्य 'अनुकरोति' शब्दस्य अर्थ अस्ति -
- (1) पूर्वं करोति। (2) न करोति।
- (3) अग्रे करोति। (4) अनुवर्तनं करोति।
- 67 'सम्' उपसर्गपूर्वकस्य ✓ 'आप्' धातोः 'क्तिन्' प्रत्ययस्य योगे अर्थः भविष्यति -
- (1) सम्यक् आप्तिः। (2) समानाप्तिः।
- (3) समाप्तिः, पूर्तिः वा। (4) सम्प्राप्तिः।
- 68 "भक्तः शिवम् उपास्ते" इत्यत्र "उपास्ते" पदस्य अर्थ अस्ति -
- (1) दूरे तिष्ठति। (2) पूजां करोति।
- (3) निकटं गच्छति। (4) अनुगच्छति।
- 69 'अति + चरति' इत्यस्य अर्थ अस्ति -
- (1) अत्यधिकं चरति। (2) न चरति।
- (3) विरुद्धं चरति। (4) सम्यक् चरति।
- 70 'आ' उपसर्गपूर्वकस्य ✓ दिश् धातोः निष्पन्नस्य 'आदिशति' पदस्य अर्थ अस्ति -
- (1) उपदेशं ददाति। (2) आज्ञां ददाति।
- (3) संदेशं ददाति। (4) अनुज्ञां ददाति।

- 71 'सा मयि न प्रत्येति' अस्मिन् वाक्ये 'प्रत्येति' शब्दस्य अभिप्राय अस्ति -
- (1) निकटागमनम्। (2) दूरगमनम्।
 (3) विरुद्धगमनम्। (4) विश्वासः।
- 72 "सर्वथा निरक्षरः अस्ति सः" अत्र 'निर्' उपसर्गपूर्वकस्य 'निरक्षरः' पदस्य व्याकरणसम्मतः अर्थः अस्ति -
- (1) अज्ञः। (2) मूर्खः।
 (3) अक्षरज्ञानरहितः। (4) अशिक्षितः।
- 73 "चत्वारः कन्याः चत्वारः फलानि खादन्ति" इत्यस्य शुद्धवाक्यं भविष्यति -
- (1) चतस्रः कन्याः चत्वारः फलानि खादन्ति।
 (2) चतस्रः कन्याः चत्वारि फलानि खादन्ति।
 (3) चत्वारि कन्याः चत्वारि फलानि खादन्ति।
 (4) चत्वारः कन्याः चतस्रः फलानि खादन्ति।
- 74 "राम मोहन से भोजन पकवाता है।" इत्यस्य वाक्यस्य संस्कृतानुवादः विद्यते -
- (1) रामः मोहनः भोजनं पचति। (2) रामः मोहनाय भोजनं पाचयति।
 (3) रामः मोहनेन भोजनं पाचयति। (4) रामः मोहनस्य भोजनं पक्षयति।
- 75 "मेरे घर के चारों ओर पर्वत हैं।" इत्यस्य वाक्यस्य शुद्धानुवादः सं. अस्ति -
- (1) मम गृहस्य परितः पर्वताः सन्ति। (2) मम गृहात् परितः पर्वताः सन्ति।
 (3) मम गृहे पर्वताणि सन्ति। (4) मम गृहं परितः पर्वताः सन्ति।

76 "नमो भगवन्तं वासुदेवम्।"

उपर्युक्तवाक्यस्य शुद्धरूपं अस्ति -

- | | |
|---------------------------|------------------------------|
| (1) नमो भगवति वासुदेवे। | (2) नमो भगवतां वासुदेवानाम्। |
| (3) नमो भगवतैः वासुदेवैः। | (4) नमो भगवते वासुदेवाय। |

77 "परमात्मा की इस महिमा को देखो।"

संस्कृतभाषायां वाक्यस्य शुद्धानुवादः भविष्यति -

- | | |
|----------------------------------|------------------------------------|
| (1) परमात्मस्य इमां महिमां पश्य। | (2) परमात्मायाः इमां महिम्नः पश्य। |
| (3) परमात्मनः इमं महिमानं पश्य। | (4) परमात्मस्य इमं महिमनं पश्य। |

78 "मानव पुण्य का फल चाहते हैं।"

अस्य वाक्यस्य संस्कृतानुवादः अस्ति -

- | | |
|----------------------------------|------------------------------------|
| (1) मानवाः पुण्यं फलम् इच्छन्ति। | (2) मानवाः पुण्यस्य फलम् इच्छन्ति। |
| (3) मानवाः पुण्यफलम् ऐच्छन्ति। | (4) मानवाः फलं पुण्यं इच्छन्ति। |

79 "स इमं स्त्रीमपश्यत्।"

रेखाङ्किते शुद्धपदं भविष्यति -

- | | |
|------------|------------|
| (1) इमाम्। | (2) अमुम्। |
| (3) एतम्। | (4) एताम्। |

80 "सर्वाणां प्रियो हरिः।"

रेखाङ्किते शुद्धपदमस्ति -

- | | |
|-----------------|----------------|
| (1) सर्वानाम्। | (2) सर्वेभ्यः। |
| (3) सर्वस्मिन्। | (4) सर्वेषाम्। |

81 "राम से धन स्वीकार करो।"

इत्यस्य संस्कृतानुवादः अस्ति -

- (1) रामेण धनं स्वीकरोतु। (2) रामेण धनः स्वीकरोतु।
(3) रामं धनेन स्वीकरोतु। (4) रामात् धनं स्वीकरोतु।

82 अधोलिखितासु कृतिषु अश्वघोषस्य कृतिरस्ति -

- (1) गीतगोविन्दम्। (2) शारिपुत्रप्रकरणम्।
(3) रघुवंशम्। (4) कुमारसम्भवम्।

83 भारविकाव्ये सर्गाणां संख्या वर्तते -

- (1) षोडश। (2) अष्टादश।
(3) त्रयोदश। (4) द्वाविंशतिः।

84 कवेः सुबन्धो रचना वर्तते -

- (1) स्वप्नवासवदत्तम्। (2) वासवदत्ता।
(3) उदयनकथा। (4) अवन्तिसुन्दरीकथा।

85 पदलालित्ये प्रसिद्धस्य गद्यकारस्य नामास्ति -

- (1) दण्डी। (2) बाणभट्टः।
(3) सुबन्धुः। (4) अम्बिकादत्त व्यासः।

10_A]

18

[Contd...

86 कवेः अश्वघोषस्य मातुः नाम आसीत् -

- | | |
|----------------|------------------|
| (1) कनकाक्षी। | (2) मीनाक्षी। |
| (3) हरिणाक्षी। | (4) सुवर्णाक्षी। |

87 संस्कृतसाहित्ये विदूषकरहितं नाटकं वर्तते -

- | | |
|---------------------|-------------------------|
| (1) मालतीमाधवम्। | (2) मालविकाग्निमित्रम्। |
| (3) मुद्राराक्षसम्। | (4) अभिज्ञानशाकुन्तलम्। |

88 भासस्य महाभारताधारितानां नाटकानां संख्या वर्तते -

- | | |
|-----------|--------------|
| (1) सप्त। | (2) नव। |
| (3) अष्ट। | (4) त्रयोदश। |

89 भट्टमथुरानाथशास्त्रिणा रचितस्य भक्तिकाव्यस्य नाम अस्ति -

- | | |
|--------------------|------------------|
| (1) गीतगोविन्दम्। | (2) गङ्गावतरणम्। |
| (3) गोविन्दवैभवम्। | (4) वेणुशतकम्। |

90 'जीवनस्य पृष्ठद्वयम्' रचना अस्ति -

- | | |
|----------------------|---------------------------|
| (1) कलानाथशास्त्रिणः | (2) प्रभाकरशास्त्रिणः |
| (3) पद्मशास्त्रिणः | (4) सूर्यनारायणशास्त्रिणः |

- 91 'रामेण बाणेन हतो बाली' इत्यत्र साधकतमं करणम् इति सूत्रस्य गतार्थता कस्मिन् पदे विद्यते ?
- (1) रामेण (2) बाणेन
(3) हतः (4) बाली
- 92 "यस्य च _____ भावलक्षणम्" इत्यत्र रिक्तस्थानं प्रपूरयतु -
- (1) कर्मणा (2) करणेन
(3) भावेन (4) उपकरणेन
- 93 "ब्रह्मणः प्रजाः प्रजायन्ते" इत्यत्र "अपादानं" कस्मिन् पदे वर्तते ?
- (1) ब्रह्मणः (2) प्रजाः
(3) प्रजायन्ते (4) अजायन्त
- 94 "अधिशीङ्स्थासां कर्म" सूत्र - द्वारा कस्य कर्मसंज्ञा भवति ?
- (1) धातोः (2) आधारस्य
(3) ईप्सिततमस्य (4) उपसर्गस्य
- 95 "कर्तृकर्मणोः कृतिः" इत्यनेन सूत्रेण का विभक्तिर्विधीयते ?
- (1) प्रथमा (2) षष्ठी
(3) चतुर्थी (4) पञ्चमी

96 रुच-धातोर्योगे का विभक्तिर्भवति ?

- (1) द्वितीया (2) तृतीया
(3) सप्तमी (4) चतुर्थी

97 शुद्धं वाक्यमस्ति -

- (1) अहं प्रासादात् पतामि (2) अहं प्रासादस्य पतामि
(3) अहं प्रासादेन पतामि (4) अहं प्रासादाय पतामि

98 "सीता स्थाल्यां तण्डूलोदनं पचति" इत्यत्र केन सूत्रेण सिद्ध्यति?

- (1) सप्तम्यधिकरणे च (2) यतश्च निर्धारणम्
(3) भुवः प्रभवः (4) षष्ठी शेषे

99 "सर्वत्र लघुपञ्चमम्" इति लक्षणांशः कस्य छन्दसः वर्तते ?

- (1) शार्दूलविक्रीडितम् (2) अनुष्टुप्
(3) इन्द्रवज्रा (4) आर्या

100 "चतुर्भिर्यकारैः" इत्यनेन किं छन्दो वर्तते ?

- (1) मालिनी (2) स्रग्धरा
(3) शिखरिणी (4) भुजङ्गप्रयातम्

101 "वसन्ततिलकम्" इत्यस्य छन्दसः एकस्मिन् पादे अक्षर संख्या _____ भवति।
रिक्तस्थानम्पूरयत -

- (1) 14 (2) 12
(3) 15 (4) 20

102 "प्रकृतिसिद्धमिदं हि महात्मनाम्" इत्यस्मिन् श्लोकांशे किं छन्दः ?

- (1) उपजातिः (2) भुजङ्गप्रयातम्
(3) द्रुतविलम्बितम् (4) मन्दाक्रान्ता

103 मिश्रितं छन्दो भवति ?

- (1) उपजातिः (2) आर्या
(3) इन्द्रवज्रा (4) उपेन्द्रवज्रा

104 प्रतिपादं एकविंशतिवर्णात्मकं किं छन्दः ?

- (1) उपजातिः (2) वंशस्थम्
(3) मालिनी (4) स्रग्धरा

105 "विद्यानामनरस्यरूपमधिकं प्रच्छन्नगुप्तं धनम्" - इति पद्यांशे किन्नाम छन्दः ?

- (1) वसन्ततिलका (2) शिखरिणी
(3) शार्दूलविक्रीडितम् (4) मन्दाक्रान्ता

10_A]

22

[Contd...

106 “रसैःरुद्रैश्छिन्ता यमनसभलागः शिखरिणी” इत्यत्र “रुद्रैः” इति पदेन कस्याः संख्यायाः संकेतं भवति ?

- (1) 12 (2) 11
(3) 16 (4) 13

107 अनुप्रासालङ्कारलक्षणे कस्य वैषम्यमपि संभवति ?

- (1) वर्णस्य (2) शब्दस्य
(3) वाक्यस्य (4) स्वरस्य

108 “श्रुतेरिवार्थं स्मृतिरन्वगच्छत्” इत्यत्र कोऽलङ्कारः ?

- (1) उत्प्रेक्षा (2) उपमा
(3) दृष्टान्तः (4) तुल्ययोगिता

109 लिम्पतीव तमोऽङ्गानि वर्षतीवाञ्जनं नभः।

असत्पुरुषसेवेव दृष्टिर्विफलतां गता॥

- (1) उपमा (2) श्लेषः
(3) उत्प्रेक्षा (4) व्यतिरेकः

110 “ग्रीवाभङ्गाभिरामं मुहुरनुपतति स्यन्दने बद्धदृष्टिः,

पश्चाद्ध्रैः प्रविष्टः शरपतनभयाद् भूयसा पूर्वकायम्।

दर्भैरर्धावलीढैः श्रमविवृत्तमुखभ्रंशिभिः कीर्णवर्त्मा,

पश्योदग्रप्लुतत्वाद् वियति बहुतरं स्तोकमुर्व्या प्रयाति॥”

इत्यस्मिन् श्लोके कोऽलङ्कारः ?

- (1) निदर्शना (2) स्वभावोक्तिः
(3) व्यतिरेकः (4) दीपकम्

111 'उपमानादुपमेयस्य' वर्णनं यत्राधिकं भवति तत्र कोऽलङ्कारो विधीयते ?

- | | |
|---------------------|----------------|
| (1) दीपकम् | (2) दृष्टान्तः |
| (3) अर्थान्तरन्यासः | (4) व्यतिरेकः |

112 "अभवद्वस्तुसम्बन्धः उपमापरिकल्पकः" इति कस्य-अलङ्कारस्य लक्षणमस्ति ?

- | | |
|--------------|-----------------|
| (1) निदर्शना | (2) दृष्टान्तः |
| (3) दीपकम् | (4) तुल्ययोगिता |

113 "अप्रस्तुतप्रस्तुतयोरेकधर्माभिसम्बन्धः" इति कस्मिन्-अलङ्कारे भवति ?

- | | |
|---------------------|------------|
| (1) अर्थान्तरन्यासः | (2) रूपकम् |
| (3) दीपकम् | (4) यमकम् |

114 कस्यालङ्कारस्य लक्षणे प्रामुख्येन "स्थाणुर्वा पुरुषो वा" इति भावो विद्यते ?

- | | |
|------------------|---------------|
| (1) भ्रान्तिमान् | (2) अपह्नुतिः |
| (3) श्लेषः | (4) सन्देहः |

115 'दीर्घतमा' कस्य सूक्तस्य ऋषिः विद्यते ?

- | | |
|-------------------|-------------------|
| (1) विष्णुसूक्तम् | (2) इन्द्रसूक्तम् |
| (3) अग्निसूक्तम् | (4) पुरुषसूक्तम् |

116 "स देवाँ एह वक्षति" इत्यत्र 'सः' इति पदेन को देवोऽभिप्रेतः ?

- | | |
|-------------|-------------|
| (1) इन्द्रः | (2) विष्णुः |
| (3) अग्निः | (4) पुरुषः |

117 इन्द्रसूक्ते प्रयुक्तं छन्दो वर्तते ?

- | | |
|-------------|----------------|
| (1) गायत्री | (2) त्रिष्टुप् |
| (3) जगती | (4) अनुष्टुप् |

118 "तानि धर्माणि प्रथमान्यासन्" इति कस्य सूक्तस्य ऋचांशोऽस्ति ?

- | | |
|------------------|-------------------|
| (1) पुरुषसूक्तम् | (2) इन्द्रसूक्तम् |
| (3) अग्निसूक्तम् | (4) विष्णुसूक्तम् |

119 गीतानुसारेण "स्थितधीः.....उच्यते" इत्यत्र रिक्तस्थानं प्रपूरयत ?

- | | |
|-------------|-----------|
| (1) ऋषिः | (2) साधुः |
| (3) पण्डितः | (4) मुनिः |

120 नैनं छिन्दन्ति शस्त्राणि नैनं दहति पावकः पंक्तिरियं कमुद्दिश्य उदीरिता -

- | | |
|--------------|--------------|
| (1) कर्म | (2) ज्ञानम् |
| (3) आत्मानम् | (4) अर्जुनम् |

121 ईशोपनिषद् शुक्लयजुर्वेदस्य कतमोऽध्यायो वर्तते ?

(1) 20

(2) 40

(3) 30

(4) 35

122 “न कर्म लिप्यते नरे” इत्यत्र कस्य कर्मणः वर्णनमस्ति ?

(1) अनासक्तकर्म

(2) ज्ञानकर्म

(3) यज्ञकर्म

(4) आसक्तकर्म

123 आश्रमव्यवस्थायां कः आश्रमः श्रेष्ठोऽस्ति ?

(1) ब्रह्मचर्याश्रमः

(2) गृहस्थाश्रमः

(3) वानप्रस्थाश्रमः

(4) संन्यासाश्रमः

124 भारतीयसंस्कृत्यां वेदाध्ययनं कस्मिन्नाश्रमे उक्तम् ?

(1) ब्रह्मचर्याश्रमः

(2) गृहस्थाश्रमः

(3) वानप्रस्थाश्रमः

(4) संन्यासाश्रमः

125 भारतीयसंस्कृत्यौ वर्णव्यवस्थायाः कः आधारोऽस्ति ?

(1) विचारः

(2) धर्म

(3) परम्परा

(4) कर्म

10_A]

26

[Contd...

126 “ब्राह्मणोऽस्य मुखमासीद् बाहू कृत” इत्यत्र वर्णव्यवस्थामधिकृत्य रिक्तस्थानं प्रपूरयत -

- (1) वैश्यः (2) शूद्रः
(3) ब्राह्मणः (4) राजन्यः

127 षोडशसंस्कारे न परिगणितः -

- (1) उपनयन संस्कारः (2) मार्जन संस्कारः
(3) विवाह संस्कारः (4) अन्त्येष्टिः संस्कारः

128 मनुस्मृत्यनुसारं विवाहस्य कतिविधाः सन्ति ?

- (1) त्रयः (2) चत्वारः
(3) सप्त (4) अष्ट

129 षड्विंशत्यज्ञेषु परिगणितोऽस्ति -

- (1) अश्वमेधयज्ञः (2) राजसूययज्ञः
(3) देवयज्ञः (4) ज्ञानयज्ञः

130 अतिथियज्ञः कथ्यते ?

- (1) देवयज्ञः (2) भूतयज्ञः
(3) नृत्यज्ञः (4) पितृयज्ञः

131 निम्नलिखितेषु पठनशिक्षणस्य विधिः का नास्ति ?

- (1) चित्र विधिः (2) वर्णोच्चारण विधिः
(3) अनुकरण विधिः (4) प्रश्नोत्तर विधिः

132 निम्नलिखितेषु लेखनकौशलस्य अभिवृद्धिः विषयक विधिः नास्ति ?

- (1) रूपरेखा अनुकरण विधिः (2) मॉण्टेसरी विधिः
(3) ध्वनिसाम्य विधिः (4) स्वतंत्र अनुकरण विधिः

133 कस्यां विधौ उदाहरणैः नियमं प्रति शिक्षणसूत्रस्य अनुसरणं क्रियते ?

- (1) सम्भाषण विधौ (2) आगमन विधौ
(3) पाठ्यपुस्तक विधौ (4) निगमन विधौ

134 सम्भाषणस्य योग्यतायाः विकासे सहायिका विधिः अस्ति ?

- (1) सूत्र विधिः (2) व्याख्या विधिः
(3) कण्ठस्थीकरण विधिः (4) भाषा संसर्ग विधिः

135 व्याकरणस्य पर्यायोऽस्ति ?

- (1) राष्ट्रानुशासनम् (2) शब्दानुशासनम्
(3) मानवानुशासनम् (4) सैनिकानुशासनम्

136 नाटक शिक्षणस्य आदर्श नाट्य विध्याः अनुसारेण -

- (1) अध्यापकः वाण्याः माध्यमेन एक प्रकारेण अभिनयः करोति।
- (2) प्रश्नैः अध्यापकः पात्राणां चरित्रं पाठगत भावानां च विश्लेषणं करोति।
- (3) रङ्गमञ्चे नाटकं विधिपूर्वकं अभिनीतः क्रियते।
- (4) कक्षायां एव छात्रैः नाटकस्य अभिनयः क्रियते।

137 गीतनाट्यपद्धतिः भवति ?

- (1) गद्य शिक्षणे
- (2) पद्य शिक्षणे
- (3) व्याकरण शिक्षणे
- (4) रचना शिक्षणे

138 अर्थग्रहणार्थं सर्वाधिकः उपयुक्तः पठनं भवति ?

- (1) चित्रपठनम्
- (2) शब्दपठनम्
- (3) सस्वरपठनम्
- (4) मौनपठनम्

139 लिखिताभिव्यक्तिः कस्मिन् न भवति ?

- (1) पत्रलेखने
- (2) निबन्धलेखने
- (3) वाद-विवादे
- (4) जीवनीलेखने

140 पद्यशिक्षणस्य प्रमुखः अङ्गः अस्ति ?

- (1) भावबोधः
- (2) शब्दार्थबोधः
- (3) सरलार्थबोधः
- (4) पठनबोधः

141 छात्रैः न क्रियते ?

- | | |
|-----------------|-------------------|
| (1) आदर्शवाचनम् | (2) अनुकरणवाचनम् |
| (3) मौनवाचनम् | (4) सामूहिकवाचनम् |

142 कस्मिन् कौशले वर्तनीम् अधिकं महत्त्वं दीयते ?

- | | |
|----------------|---------------|
| (1) श्रवणकौशले | (2) कथनकौशले |
| (3) पठनकौशले | (4) लेखनकौशले |

143 कस्मिन् कौशले अन्तिमप्रश्नः समस्यात्मकः भवति ?

- | | |
|----------------------|-------------------------|
| (1) प्रस्तावना कौशले | (2) व्याख्या कौशले |
| (3) प्रदर्शन कौशले | (4) श्यामपट्ट लेखनकौशले |

144 निम्नलिखितेषु अनुवादस्य रूपः नास्ति -

- | | |
|---------------------|----------------------|
| (1) अक्षरशः अनुवादः | (2) संग्रन्थनानुवादः |
| (3) छाया अनुवादः | (4) तथ्यानुवादः |

145 दण्डान्वयः विधौ दण्डः कस्य सूचकः अस्ति ?

- | | |
|-------------|--------------|
| (1) अर्थस्य | (2) शब्दस्य |
| (3) लघुडस्य | (4) वाक्यस्य |

146 भाषा कौशलानां सोपानानां क्रमः अस्ति ?

- (1) श्रवणं - भाषणं - लेखनं - पठनम्
- (2) श्रवणं - लेखनं - पठनम् - भाषणं
- (3) श्रवणं - भाषणं - पठनम् - लेखनं
- (4) भाषणं - श्रवणं - पठनम् - लेखनं

147 श्यामपट्टलेखनः कौशलस्य घटकः नास्ति ?

- (1) शब्दानां मध्ये समुचितं स्थानम्।
- (2) पंक्तिनां मध्ये समुचितं स्थानम्।
- (3) अक्षराणां उपयुक्तः आकारः।
- (4) रुचिकरः युक्तिनां प्रयोगः।

148 व्याकरणस्य पाठयोजनायां महत्त्वं दीयते ?

- (1) आदर्शवाचनम्
- (2) आत्मीकरणम्
- (3) प्रयोगं अभ्यासं च
- (4) अभिनयम्

149 अन्वेषणप्रधानप्रश्नकौशलस्य घटकः नास्ति ?

- (1) पुनर्केन्द्रण प्रविधिः
- (2) अन्तर क्रिया शैली परिवर्तनम्
- (3) पुनः अनुदेशन प्रविधिः
- (4) अनुबोधन क्रिया

150 पद्य-पाठं योजनायां कीदृशाः प्रश्नाः न भवन्ति ?

- (1) सौन्दर्यानुभूतिः प्रश्नाः
- (2) केन्द्रीय भावस्य प्रश्नाः
- (3) तुलनात्मक प्रश्नाः
- (4) विचारविश्लेषणात्मक प्रश्नाः

